उद्योग नगरी टाइम्स हिन्दी दैनिक कानपुर

फल एवं सब्जी प्रसंस्करण पर दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के आधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर एससी एसपी योजना के अंतर्गत दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमे केंद्र की महिला वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा ने महिलाओं को फल एवं सब्जी प्रसंस्करण के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया कि सब्ज़ी प्रसंस्करण का मतलब है सब्ज़ियों को भोजन के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए तैयार करना।सब्ज़ियों के प्रसंस्करण करने के लिए कई तरह की तकनीकें अपनाई जाती हैं। इनमें से कुछ तकनीकें जैसे छीलना, काटना, पकाना, पाश्चुरीकरण, एक्सट्रून, किण्वन.सब्ज़ियों के प्रसंस्करण करने के उद्देश्य जैसे उपभोक्ताओं को साल भर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना तथा आयातित उत्पादों की जगह घरेलू उत्पादों का इस्तेमाल करना, नए मूल्यवर्धित उत्पाद बनाना सब्ज़ियों को प्रोसेस करने के दौरान संदूषण को कम करना बहुत ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि इसके लिए खाने से जुड़े सभी उपकरण साफ़-सुथरे होने चाहिए। चाकू और ब्लेड ऐसी सामग्री से बने होने चाहिए जिन्हें बार-बार साफ़ किया जा सके और हर बार कीटाणुरहित होकर बाहर आ सके। प्रसंस्करण के कई लाभ है जैसे खाद्य पदार्थों को सुरक्षित बनाया जा सकता है। खाद्य पदार्थों की शेल्फ़ लाइफ़ बढ़ती है, खाद्य पदार्थों का पोषण मूल्य बढ़ता है,खाद्य पदार्थों को ज़्यादा सुविधाजनक बनाया जा सकता है। तथा खाद्य पदार्थों की मौसमी उपलब्धता बढ़ती है।खाद्य पदार्थों को ज़्यादा दूर तक पहुंचाया जा सकता है।खाद्य पदार्थों की बनावट और दिखावट में सुधार किया जा सकता है। खाद्य पदार्थों गुणों में सुधार किया जा सकता है। खाद्य पदार्थों को नए स्वाद दिए जा सकते हैं.केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने महिलाओं को बताया की जो सरकारी योजनाएं चल रहीं है महिलाएं उनका लाभ समय पर जरूर लेती रहे इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकती है इसके साथ साथ केंद्र पर संचालित क्रॉप कैफेटेरिया, वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप, मछली पालन इकाई और पोषक वाटिका का भ्रमण कराया गया ।उक्त ट्रेनिंग में ग्राम फन्दा ब्लॉक मैथा जिला कानपुर की पच्चीस महिलाएं एवं गौरव शुक्ला शुभम यादव और श्री भगवान पाल आदि उपस्थित रहे ।

मौसम
अधिकतम तापमान 23.c
09.c न्यूनतम तापमान
बाजार
ना 78.840g
दी 91.000kg
सेंसेक्स
81,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 | विपक्ष की राजनीति में बड़ा बदलाव, आईएनडीआईए में कांग्रेस विरोधी दलों की एकजुटता | राशा से लेकर शनाया तक इस साल डेब्यू करेंगे स्टारकिड्स

वर्ष :10 | अंक :326 | लखनऊ से प्रकाशित | लखनऊ, शनिवार 11 जनवरी 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2:00

फल एवं सब्जी प्रसंस्करण पर दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर , सीएसए के आधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर एससी एसपी योजना के अंतर्गत दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमे केंद्र की महिला वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा ने महिलाओं को फल एवं सब्जी प्रसंस्करण के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया कि सब्जी प्रसंस्करण का मतलब है सब्ज़ियों को भोजन के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए तैयार करना।सब्ज़ियों के प्रसंस्करण करने के लिए कई तरह की तकनीकें अपनाई जाती हैं। इनमें से कुछ तकनीकें जैसे

छीलना, काटना, पकाना, पाश्चुरीकरण ।, एक्सट्रूज़न, किण्वन. सब्ज़ियों के प्रसंस्करण करने के उद्देश्य जैसे उपभोक्ताओं को साल भर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना तथा आयातित उत्पादों की जगह घरेलू उत्पादों का इस्तेमाल करना, नए मूल्यवर्धित उत्पाद बनाना सब्ज़ियों को प्रोसेस करने के दौरान संदूषण को कम करना बहुत जरूरी है।

उन्होंने बताया कि इसके लिए खाने से जुड़े सभी उपकरण साफ-सुथरे होने चाहिए। चाकू और ब्लेड ऐसी सामग्री से बने होने चाहिए जिन्हें बार-बार साफ किया जा सके और हर बार कीटाणुरहित होकर बाहर आ सके प्रसंस्करण के कई लाभ है जैसे खाद्य पदार्थों को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

खाद्य पदार्थों की शेल्फ लाइफ बढ़ती है

खाद्य पदार्थों का पोषण मूल्य बढ़ता है, खाद्य पदार्थों को ज्यादा सुविधाजनक बनाया जा सकता है। तथा खाद्य पदार्थों की मौसमी उपलब्धता बढ़ती है।खाद्य पदार्थों को ज्यादा दूर तक पहुंचाया जा सकता है।खाद्य पदार्थों की बनावट और दिखावट में सुधार किया जा सकता है।खाद्य पदार्थों गुणों में सुधार किया जा सकता है। खाद्य पदार्थों को नए स्वाद दिए जा सकते हैं.केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने महिलाओं को बताया की जो सरकारी योजनाएं चल रहीं है महिलाएं उनका लाभ समय पर जरूर लेती रहे इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकती है इसके साथ साथ केंद्र पर संचालित क्रॉप कैफेटेरिया, वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप, मछली पालन इकाई और पोषक वाटिका का भ्रमण कराया गया ।उक्त ट्रेनिंग में ग्राम फन्दा ब्लॉक मैथा जिला कानपुर की पच्चीस महिलाएं एवं गौरव शुक्ला शुभम यादव और भगवान पाल आदि उपस्थित रहे !

सूचकांक
77,378.91
-241.30
शनिवार
कानपुर, 11 जनवरी 2025
हिन्दी का सर्वश्रेष्ठ आर्थिक दैनिक
व्यापारसंदेश
e-paper : www.vyaparsandesh.com

फल एवं सब्जी प्रसंस्करण पर दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण

कानपुर, 10 जनवरी (निस)। सीएसए के आधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर एससी एसपी योजना के अंतर्गत दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।जिसमे केंद्र की महिला वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा ने महिलाओं को फल एवं सब्जी प्रसंस्करण के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया कि सब्ज़ी प्रसंस्करण का मतलब है सब्ज़ियों को भोजन के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए तैयार करना।सब्ज़ियों के प्रसंस्करण करने के लिए कई तरह की तकनीकें अपनाई जाती हैं। इनमें से कुछ तकनीकें जैसे

छीलना, काटना, पकाना, पाश्चुरीकरण, एक्सट्रून, किण्वन. सब्ज़ियों के प्रसंस्करण करने के उद्देश्य जैसे उपभोक्ताओं को साल भर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना तथा आयातित उत्पादों की जगह घरेलू उत्पादों का इस्तेमाल करना, नए मूल्यवर्धित उत्पाद बनाना सब्ज़ियों को प्रोसेस करने के दौरान संदूषण को कम करना बहुत ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि इसके लिए खाने से जुड़े सभी उपकरण साफ़-सुथरे होने चाहिए। चाकू और ब्लेड ऐसी सामग्री से बने होने चाहिए जिन्हें बार-बार साफ़ किया जा सके और हर बार कीटाणुरहित होकर बाहर आ सके प्रसंस्करण के कई लाभ है जैसे खाद्य पदार्थों को सुरक्षित बनाया जा सकता

है। खाद्य पदार्थों का पोषण मूल्य बढ़ता है,खाद्य पदार्थों को ज़्यादा सुविधाजनक बनाया जा सकता है। तथा खाद्य पदार्थों की मौसमी उपलब्धता बढ़ती है।खाद्य पदार्थों को ज़्यादा दूर तक पहुंचाया जा सकता है।खाद्य पदार्थों की बनावट और दिखावट में सुधार किया जा सकता है। खाद्य पदार्थों गुणों में सुधार किया जा सकता है।

खाद्य पदार्थों को नए स्वाद दिए जा सकते हैं.केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने महिलाओं को बताया की जो सरकारी योजनाएं चल रहीं है महिलाएं उनका लाभ समय पर जरूर लेती रहे इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकती है इसके साथ साथ केंद्र पर संचालित क्रॉप कैफेटेरिया, वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप, मछली पालन इकाई और पोषक वाटिका का भ्रमण कराया गया । उक्त ट्रेनिंग में ग्राम फन्दा ब्लॉक मैथा जिला कानपुर की पच्चीस महिलाएं एवं गौरव शुक्ला शुभम यादव और भगवान पाल आदि उपस्थित रहे !

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 06 अंक : 224 देहरादून , शनिवार, 11 जनवरी 2025

फल एवं सब्जी प्रसंस्करण पर दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के आधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर एससी एसपी योजना के अंतर्गत दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमे केंद्र की महिला वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा ने महिलाओं को फल एवं सब्जी प्रसंस्करण के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया कि सब्जी प्रसंस्करण का मतलब है सब्जियों को भोजन के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए तैयार करना।सब्जियों के प्रसंस्करण करने के लिए कई तरह की तकनीकें अपनाई जाती हैं। इनमें से कुछ तकनीकें जैसे

छीलना,काटना,पकाना,पाश्चुरीकरण,एक्सट्रूजन, किण्वन.सब्जियों के प्रसंस्करण करने के उद्देश्य जैसे उपभोक्ताओं को साल भर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना तथा आयातित उत्पादों की जगह घरेलू उत्पादों का इस्तेमाल करना,

नए मूल्यवर्धित उत्पाद बनाना सब्जियों को प्रोसेस करने के दौरान संदूषण को कम करना बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि इसके लिए खाने से जुड़े सभी उपकरण साफ-सुथरे होने चाहिए। चाकू और ब्लेड ऐसी सामग्री से बने होने चाहिए जिन्हें बार-बार साफ किया जा सके और हर बार कीटाणुरहित होकर बाहर आ सके। प्रसंस्करण के कई लाभ है जैसे खाद्य पदार्थों को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

खाद्य पदार्थों की शेल्फ लाइफ बढ़ती है,

खाद्य पदार्थों का पोषण मूल्य बढ़ता है,

खाद्य पदार्थों को ज्यादा सुविधाजनक बनाया जा सकता है। तथा खाद्य पदार्थों की मौसमी उपलब्धता बढ़ती है।खाद्य पदार्थों को ज्यादा दूर तक पहुंचाया जा सकता है।खाद्य पदार्थों की बनावट और दिखावट में सुधार किया जा सकता है। खाद्य पदार्थों गुणों में सुधार किया जा सकता है। खाद्य पदार्थों को नए स्वाद दिए जा सकते है.केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने महिलाओं को बताया की जो सरकारी योजनाएं चल रहीं है महिलाएं उनका लाभ समय पर जरूर लेती रहे इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकती है इसके साथ साथ केंद्र पर संचालित क्रॉप कैफेटेरिया, वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप, मछली पालन इकाई और पोषक वाटिका का भ्रमण कराया गया । उक्त ट्रेनिंग में ग्राम फन्दा ब्लॉक मैथा जिला कानपुर की पच्चीस महिलाएं एवं गौरव शुक्ला शुभम यादव और श्री भगवान पाल आदि उपस्थित रहे !

अंक-308 कानपुर, शनिवार 11 जनवरी 2025 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

ड़ानों का शहर

कानपुर, शनिवार 11 जनवरी 2025

8

फल एवं सब्जी प्रसंस्करण पर दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

आज का कानपुर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के आधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर एससी एसपी योजना के अंतर्गत दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमे केंद्र की महिला वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा ने महिलाओं को फल एवं सब्जी प्रसंस्करण के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया कि सब्ज़ी प्रसंस्करण का मतलब है सब्ज़ियों को भोजन के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए तैयार करना।सब्ज़ियों के प्रसंस्करण करने के लिए कई तरह की तकनीकें अपनाई जाती हैं। इनमें से कुछ तकनीकें जैसे छीलना,काटना,पकाना,पाश्चुरीकरण, एक्सट्रूज़न, किण्वन.सब्ज़ियों के प्रसंस्करण करने के उद्देश्य जैसे उपभोक्ताओं को साल भर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना तथा आयातित उत्पादों की जगह घरेलू उत्पादों का इस्तेमाल करना,नए मूल्यवर्धित उत्पाद बनाना सब्ज़ियों को प्रोसेस करने के दौरान संदूषण को कम करना बहुत ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि इसके लिए खाने से जुड़े सभी उपकरण साफ़-सुथरे होने चाहिए। चाकू और ब्लेड ऐसी सामग्री से बने होने चाहिए जिन्हें बार-बार साफ़ किया जा सके और हर बार कीटाणुरहित होकर बाहर आ सके। प्रसंस्करण के कई लाभ है जैसे खाद्य पदार्थों को सुरक्षित बनाया जा सकता है।खाद्य पदार्थों की शेल्फ़ लाइफ़ बढ़ती है, खाद्य पदार्थों का पोषण मूल्य बढ़ता है,खाद्य पदार्थों को ज़्यादा सुविधाजनक बनाया जा सकता है। तथा खाद्य पदार्थों की मौसमी उपलब्धता बढ़ती है।खाद्य पदार्थों को ज़्यादा दूर तक पहुंचाया जा सकता है।खाद्य पदार्थों की बनावट और दिखावट में सुधार किया जा सकता है। खाद्य पदार्थों गुणों में सुधार किया जा सकता है। खाद्य पदार्थों को नए स्वाद दिए जा सकते हैं.केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने महिलाओं को बताया की जो सरकारी योजनाएं चल रहीं है महिलाएं उनका लाभ समय पर जरूर लेती रहे इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकती है इसके साथ साथ केंद्र पर संचालित क्रॉप कैफेटेरिया, वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप, मछली पालन इकाई और पोषक वाटिका का भ्रमण कराया गया । उक्त ट्रेनिंग में ग्राम फन्दा ब्लॉक मैथा जिला कानपुर की पच्चीस महिलाएं एवं गौरव शुक्ला शुभम यादव और भगवान पाल आदि उपस्थित रहे ।